



ਫੁਲ

ਪ੍ਰੇਦਾਨਾਦਾਖੀ ਕਥਿਤਾਏਂ
ਵਿਕਾਸ ਬੰਸਲ ਢਾਈ



मैंने एक झुंड बनाया, अब कई झुंड बनेंगे
कुछ ख्वाब होंगे पूरे तो कुछ और सजेंगे
रुकेगा नहीं ये सिलसिला अब तो चलेगा
हर एक झुंड को अब यहाँ मक्काम मिलेगा
झुंड किसी एक का नहीं झुंड सबका होता
हिम्मत और मेहनत से हर सपना सच होता
शायद मेरा सफर यहीं तक था तो अब मैं चला
झुंड बनता चला गया मैं तो अकेला था निकला
अब सबकी ये झुंड पहचान है मिलता सम्मान है
सफलताओं के परचम लहराएँ बस ये अरमान है
कोरे कोरे पत्रों पर कामयाबी की दास्तान लिखेंगे
मैंने एक झुंड बनाया, अब कई झुंड बनेंगे
कुछ ख्वाब होंगे पूरे तो कुछ और सजेंगे



झुंड में बड़ा बल है.....

चल चल चल तू झुंड में चल
इस झुंड में बड़ा बल है, बल है

झुंड है हिम्मत तेरी और हौसला
झुंड में छुपा तेरा सुनहरा कल है

धिरा है समस्याओं से तो आ मिल
झुंड में तेरी समस्याओं का हल है

सफलता यूँ ही नहीं मिलती यहाँ पर
झुंड में कर प्रयास होता तू सफल है

बहुत से मिलकर बना है ये झुंड यहाँ
झुंड में शक्ति का मिलता यहाँ फल है

सूद में मिलेगी सफलता तुझे ज़ख्म
झुंड में रहना तेरा मक्कसद असल है

चल चल चल तू झुंड में चल
इस झुंड में बड़ा बल है, बल है

झुंड है हिम्मत तेरी और हौसला
झुंड में छुपा तेरा सुनहरा कल है



झुंड



जीते हैं हार हार के ज़िन्दगी से लड़े हैं हम
शुक्रिया आपका जो इस झुंड में खड़े हैं हम
झुंड में खड़े हैं हम, झुंड में खड़े हैं हम

असफलताओं को सफलता में बदल दिया
आशाओं की खोज में हर बच्चा चल दिया

ज़माने की नज़रें भी बदल गईं अब तो यहाँ
आपने दिखाया रास्ता हमें हिम्मत, बल दिया

कितनी दफ़े, कितने दफ़े ख़द से झगड़े हैं हम
जीते हैं हार हार के ज़िन्दगी से लड़े हैं हम
शुक्रिया आपका जो इस झुंड में खड़े हैं हम
झुंड में खड़े हैं हम, झुंड में खड़े हैं हम

अब कोई भी मंज़िल मुश्किल नहीं है हमारे लिए
पहुँच जाएँगे हम कहीं भी बिना कोई सहारे लिए

क्या से क्या बना दिया आपने हम सबको यहाँ
पल पल साथ आप ज़िन्दगी के बेहतरीन नज़ारे लिए

नन्हे नन्हे पैर, नन्ही नन्ही अँखियों के ख़्वाब बड़े हैं हम
जीते हैं हार हार के ज़िन्दगी से लड़े हैं हम
शुक्रिया आपका जो इस झुंड में खड़े हैं हम
झुंड में खड़े हैं हम, झुंड में खड़े हैं हम



दुनिया को बदलते हैं
 चलो झुंड में चलते हैं
 गोल है दनियाँ धूमें चलो
 कमाल पैरों से करते हैं
 बहुत हो चुकी भागा दौड़ी
 अब हम कुछ सँभलते हैं
 है वो तजुरबा लिये हुये
 बना गर्स उसे सीखते हैं
 करते हैं मेहनत हम अब
 खुद क्रिस्मत बदलते हैं
 अकेले हम और तुम कुछ नहीं
 ये काम मिलकर करते हैं
 करते हैं रस्ख आसमानों का
 इन गलियों से निकलते हैं
 तप तप कर करते हैं तपस्या
 बनकर सोना हम चमकते हैं
 पंख नहीं तो क्यों हों निराश
 पंखों से नहीं हौसलों से उड़ते हैं
 दुनियाँ को बदलते हैं
 चलो झुंड में चलते हैं

आसमान से ऊँचा हरदम
 सागर से गहरा है ये झुंड
 मिटा रहा दिलों के अंधेरे
 देखो बड़ा सुनहरा है ये झुंड
 क्या होता खून का रिश्ता
 खुशियाँ से भरा है ये झुंड
 हिम्मत, हौसलों की परिभाषा
 कहाँ किसी से डरा है ये झुंड
 कोई नहीं अकेला अब यहाँ
 कितनों का सहारा है ये झुंड
 झुंड है हमसे और हम झुंड से
 हमारी रग रग में भरा है ये झुंड
 खुशियों का रास्ता बनाता रोज़
 दुखों को न आने दे पहरा है ये झुंड
 आसमान से ऊँचा हरदम
 सागर से गहरा है ये झुंड
 मिटा रहा दिलों के अंधेरे
 देखो बड़ा सुनहरा है ये झुंड



क्या है पास तेरे आज तझे बतलाऊँगा मैं
जोड़ कर सबको साथ झुंड बनाऊँगा मैं

क्या हुआ जो पंख नहीं पास हमारे आज
हिम्मत, हौसलों से उड़ना सिखलाऊँगा मैं

आज है काली रात कभी तो खत्म होगी
आसमान में साथ तम्हारे टिमटिमाऊँगा मैं

बहुत परेशानियों से धिरा है आज तू यहाँ
कश्ती को तुम्हारी साहिल तक ले जाऊँगा मैं

खेल की ताकत बहुत एक बार खेल कर देखो
सारी दुनिया को तुम्हारे क्रदमों में बिछाऊँगा मैं

कोई खून का रिश्ता तो नहीं मेरे तम्हारे दरम्यान
पर किया जो तुमसे मैंने वो वादा निभाऊँगा मैं

चाँद को गुरुर्क है अपनी चाँदनी पर तो हो इसे
ठान ली है मैंने चाँद को भी आइना दिखाऊँगा मैं

क्या है पास तेरे आज तझे बतलाऊँगा मैं
जोड़ कर सबको साथ झुंड बनाऊँगा मैं

क्या हुआ जो पंख नहीं पास हमारे आज
हिम्मत, हौसलों से उड़ना सिखलाऊँगा मैं



ये झुंड है

ये झुंड है जज्बातों का, हालातों का
उम्मीदों का और सच होती बातों का

ये झुंड है रोज़ एक नई कामयाबी का
रोशनी का सफलताओं की हाजिर जवाबी का

ये झुंड है कछु कर गज़रने का, बदलने का
गिरने का और गिर गिर कर सँभलने का

ये झुंड है नई मंजिलों का, नए रास्तों का
वादों का, इरादों का, रोज़ नए वास्तों का

ये झुंड है खेल खेल में कुछ नया सीखने का
कुछ अलग करने का, अलग दिखने का

ये झुंड है सबका किसी अकेले का ये झुंड नहीं
झुंड है उन सबका जिनको यहाँ घमंड नहीं

चलो इस झुंड से फिर नया इतिहास लिखते हैं
झुंड में चलते हैं इसलिये झुंड में हम दिखते हैं

झुंड में था, झुंड में हूँ कौन यहाँ झुंड का हिस्सा नहीं
झुंड बढ़ेगा, लड़ेगा, ये झुंड खत्म होने वाला किस्सा नहीं



झुंड में उड़ते पंछी अच्छे लगते हैं
झुंड में चलते हाथी अच्छे लगते हैं
झुंड में उड़ती पतंगें अच्छी लगती हैं
झुंड में टिमटिमाते तारे अच्छे लगते हैं
झुंड में बहते झरने अच्छे लगते हैं
झुंड में बच्चे खेलते अच्छे लगते हैं
झुंड में उड़ती उमंगें अच्छी लगती हैं
झुंड में पूरे होते सपने अच्छे लगते हैं
झुंड में खिलते हए फूल अच्छे लगते हैं
झुंड में लोग गले मिलते अच्छे लगते हैं
झुंड में सब रहते परिवार अच्छे लगते हैं
झुंड में मिलकर मनाते त्यौहार अच्छे लगते हैं
झुंड है तो ख़शियाँ हैं वरना सब बेकार
झुंड के लिये हम बेक़रार हैं सरकार



उम्मीद मत छोड़ आज का दिन कल से बेहतर होगा
झुंड में चलेगा, लड़ेगा जो तू तो यहाँ सिकंदर होगा
होगा वो ही जो होगा तूझे मंजूर जब ठान लेगा तू
दिखाएगा कमाल तू जब पैरों से तो तू क़लंदर होगा
कश्तियाँ अपनी तू निकाल के ले जाएगा ज़र्सर अब
लहरों को हराकर नतमस्तक आगे तेरे समंदर होगा
निराशाओं से निकल आशाओं का सफर होगा शुरू
हौसलों से उड़ने के लिये यहाँ पर पूरा अंबर होगा
छोड़ दे हर वो बात जो धकेलती है पीछे तूझे अब
होगी नई सुबह उम्मीदों की चमत्कार ये निरंतर होगा
उम्मीद मत छोड़ आज का दिन कल से बेहतर होगा
झुंड में चलेगा, लड़ेगा जो तू तो यहाँ सिकंदर होगा
होगा वो ही जो होगा तूझे मंजूर जब ठान लेगा तू
दिखाएगा कमाल तू जब पैरों से तो तू क़लंदर होगा



ज़िन्दगी मैं तझे हराने की ताक में हूँ
ज़िन्दगी मैं झुँड बनाने की फ़िराक में हूँ
हौसलों से उड़ना सिखाना है मुझे यहाँ
जीत और हार के बीच ताल्लुक़ात में हूँ
शरीब अमीर फ़र्क, मज़हब से ऊपर हूँ मैं
हर धर्म में मैं और यहाँ हर जात में हूँ
हर वक्त मैं खड़ा रहूँगा साथ इनके लड़ने को
क्या सुबह शाम, मैं हर दिन, हर रात में हूँ
ये मैदान खला है किस्मत नहीं उम्मीदों से भरा
नन्ही नन्ही आँखों के ख्वाबों के विश्वास में हूँ
दुनिया दिखाना है मुझे इन्हें हद से गुज़रना है
क़दम से क़दम मिलाऊँगा मैं हर आस में हूँ
खेल ये खेलेंगे ना कि ज़िन्दगी खेल पाएगी खेल
बेहतर हो इन सबकी ज़िन्दगी मैं प्रयास में हूँ
ज़िन्दगी मैं तझे हराने की ताक में हूँ
ज़िन्दगी मैं झुँड बनाने की फ़िराक में हूँ
हौसलों से उड़ना सिखाना है मुझे यहाँ
जीत और हार के बीच ताल्लुक़ात में हूँ



लड़ना चाहता मैं जीत की आस में हूँ
मैं आज बस एक झुंड की तलाश में हूँ

दृढ़ लाऊँगा मैं सबको जो खेलना चाहते
ज़िन्दगी मैं तुझे जीने के विश्वास में हूँ

बिखरी ज़िन्दगी ताश के पत्तों जैसी अब
जीत छुपी जैसे किसी एक ताश में हूँ

खेल खेल में मिलती सीख हार जीत की
कहकशां मत बन जाना मैं हर काश में हूँ

हर दिन नया सवेरा होगा नई उम्मीदों का
खुशियों की जीत में दुखों के विनाश में हूँ

कहा गया जो भी तम्हें उसे भूलना मत कभी
भविष्य उज्ज्वल हो गया उस इतिहास में हूँ

झुंड बन चका है जब अब जीत के दिखलाऊँगा
मैं निकल चुका मंजिल को पाने के प्रयास में हूँ

लड़ना चाहता मैं जीत की आस में हूँ
मैं आज बस एक झुंड की तलाश में हूँ

दृढ़ लाऊँगा मैं सबको जो खेलना चाहते
ज़िन्दगी मैं तुझे जीने के विश्वास में हूँ



खेलें बच्चे, खेलों से ही बच्चों की पहचान हो
करें कोशिश हम कि न कोई मैदान सुनसान हो

खेलों से भी बदली जा सकती हैं ज़िन्दगियाँ
दें हम बढ़ावा बच्चों को हौसलों से उड़ान हो

जो मिलें मिनट पाँच तो खेलो खेल मनपसंद
कर के दिखा दो बस सब जो मन में अरमान हो

खेल कूद ज़रूरी उतना ही जितनी ज़रूरी है पढ़ाई
बच्चा हो खेल कूद में आगे पढ़ाई में भी गुणवान हो

मोबाइल ने छीन लिया है आज बच्चों को मैदानों से
दें मौक़ा बच्चों को ताकि खेलने की राह आसान हो

बढ़ें वो, खेल खेल में चमकें अंतराष्ट्रीय स्तर पर
हर खेल में सबसे आगे बस हमारा हिन्दुस्तान हो

बना लो तुम झुंड अपने अपने और शुरू करो खेल
गर्व से ऊँचा सर हो हमारा जब जब तुम्हारा सम्मान हो

खेलें बच्चे, खेलों से ही बच्चों की पहचान हो
करें कोशिश हम कि न कोई मैदान सुनसान हो

खेलों से भी बदली जा सकती हैं ज़िन्दगियाँ
दें हम बढ़ावा बच्चों को हौसलों से उड़ान हो



छोटी छोटी अँखियों को बड़े बड़े ख्वाब देगा
ये झुंड अब दुनिया को हर एक जवाब देगा
देगा वो खुशी जिससे थे वो वंचित अब तक
ये झुंड पल पल सफलताओं का हिसाब देगा
खेल खेल में बदल जायेगा ज़िन्दगी का खेल
ये झुंड उन्हें खुद के होने का अहसास देगा
जो कभी सोचे न थे कि पहुँच जायेंगे यहाँ तक
ये झुंड उन्हें हौसलों के पंख और विश्वास देगा
गंदी बस्तियाँ नहीं होती न होता इंसान गंदा
ये झुंड गंदे विचारों से निकलने की आस देगा
छोटी छोटी अँखियों को बड़े बड़े ख्वाब देगा
ये झुंड अब दुनिया को हर एक जवाब देगा
देगा वो खुशी जिससे थे वो वंचित अब तक
ये झुंड पल पल सफलताओं का हिसाब देगा



बात मेरी तम मान लो बस मान लो
इस झुंड की शक्ति को पहचान लो

अकेले तम लड़ ना पाओ शायद आज
आओ झुंड में हौसलों से तम उड़ान लो

खेल कूद से बदली जा सकती है ज़िन्दगी
चलो झुंड में जीत बाज़ी मार मैदान लो

सब की समस्याएँ अलग अलग हैं यहाँ
जुड़ो झुंड से फिर उड़ने को पूरा आसमान लो

बहुत ले चकी ज़िन्दगी जवाब तुमसे यहाँ
झुंड में बढ़ो, लड़ो ज़िन्दगी का इम्तिहान लो

बदल डालो वस्त्र बना लो तम हौसलों को अस्त्र
सब एक हैं झुंड में सफलताओं के परिधान लो

बात मेरी तम मान लो बस मान लो
इस झुंड की शक्ति को पहचान लो

अकेले तम लड़ ना पाओ शायद आज
आओ झुंड में हौसलों से तम उड़ान लो



पंख नहीं तो हौसलों से उड़ के दिखाओ
तुम सब के सब मेरे झुंड में आ जाओ
दिखा दो दुनिया को कि कम नहीं तम
क्या हो तुम ये दुनिया को दिखलाओ
मैं भी अकेला तुम भी अकेले बस और नहीं
झुंड में होती बहुत ताक्रत तुम समा जाओ
करो खुद से आज ये वादा कि हारोगे नहीं
दिखा दो जीत के तुम दुनिया पर छा जाओ
खेल खेल में भी सिकंदर बना जा सकता
किस्मत को अब तुम अपनी बदल के दिखाओ
झुंड तो झुंड होता है उसकी कोई संख्या नहीं होती
करो नाम रोशन झुंड का जीत का परचम फहराओ
पंख नहीं तो हौसलों से उड़ के दिखाओ
तुम सब के सब मेरे झुंड में आ जाओ
दिखा दो दुनिया को कि कम नहीं तम
क्या हो तुम ये दुनिया को दिखलाओ



पंख नहीं तो हौसलों से उड़ के दिखाओ
तुम सब के सब मेरे झुंड में आ जाओ
दिखा दो दुनिया को कि कम नहीं तम
क्या हो तुम ये दुनिया को दिखलाओ
मैं भी अकेला तुम भी अकेले बस और नहीं
झुंड में होती बहुत ताकत तुम समा जाओ
करो खेद से आज ये वादा कि हारोगे नहीं
दिखा दो जीत के तुम दुनिया पर छा जाओ
खेल खेल में भी सिकंदर बना जा सकता
किस्मत को अब तुम अपनी बदल के दिखाओ
झुंड तो झुंड होता है उसकी कोई संख्या नहीं होती
करो नाम रोशन झुंड का जीत का परचम फहराओ
पंख नहीं तो हौसलों से उड़ के दिखाओ
तुम सब के सब मेरे झुंड में आ जाओ
दिखा दो दुनिया को कि कम नहीं तम
क्या हो तुम ये दुनिया को दिखलाओ



बनेगा झुंड जब आशाओं का संगम होगा
जुगनुओं से अब आसमान ये रोशन होगा
ज़िन्दगी बदल जाएगी, सँभल जाएगी अब
छोटे छोटे पाँव से सँवरा सँवरा बचपन होगा
क्राबिलियत तो सब में है पर अनजान हैं वो
खड़ा होगा विश्वास पहचानने को दर्पण होगा
मैं खुश नहीं हो सकता जब तक सब खुश न हों
गलिस्ताँ मोहब्बत का तरक्की का चमन होगा
मैदान ये भरा पड़ा है उम्मीदों से और मंज़िलों से
तिनका तिनका जुड़ेगा तब झुंड का गठन होगा
बनेगा झुंड जब आशाओं का संगम होगा
जुगनुओं से अब आसमान ये रोशन होगा
ज़िन्दगी बदल जाएगी, सँभल जाएगी अब
छोटे छोटे पाँव से सँवरा सँवरा बचपन होगा





झुंड के लिये बहुत बहुत शुभकामनायें।

Ef Vikas Bansal
ABEFTeam

1939, Sector 28 Opp Shiv Shakti Mandir, Faridabad 121008 Haryana
Mobile : 9873555289 / 9810955586 • Twitter : @VikasbansalEF
E.mail : micky.bansal75@gmail.com

(FOR PRIVATE CIRCULATION HAVING NO COMMERCIAL VALUE)